भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.02.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 733 का उत्तर

तमिलनाडु में स्टेशनों का पुनर्विकास

733. श्री पी. रविन्द्रनाथ:
श्री पी. वेलुसामी:
श्री एस.आर. पार्थिबन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने तमिलनाडु में प्रमुख उन्नयन हेतु रेलवे स्टेशनों का चयन/पहचान कर ली है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) चयनित/पहचान किए गए रेलवे स्टेशनों में उन्नयन कार्य के अंतर्गत किए जाने वाली प्रस्तावित गतिविधियों/कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या किए जा रहे प्रमुख उन्नयन कार्यों से और अधिक राजस्व अर्जित होने की संभावना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

तमिलनाडु में स्टेशनों के पुनर्विकास के संबंध में दिनांक 07.02.2024 को लोक सभा में श्री पी. रविन्द्रनाथ, श्री पी. वेलुसामी और श्री एस.आर. पार्थिबन के अतारांकित प्रश्न सं. 733 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई है। अभी तक इस योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए तमिलनाडु राज्य में 77 रेलवे स्टेशनों सहित 1318 रेलवे स्टेशनों का अभिनिर्धारण किया गया है।

इस योजना में दीर्घकालिक विधि के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय में यथा आवश्यक सुधार, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट', जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण, आदि में सुधार लाने के लिए उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान स्टेशन इमारत में सुधार, स्टेशन का शहर की दोनों तरफ के साथ एकीकरण मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था, आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार 'रूफ प्लाजा' और स्टेशन पर सिटी सेन्टर्स के निर्माण की संकल्पना की गई है जिससे राजस्व में वृद्धि होगी।

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण/उन्नयन एक सतत एवं चलायमान प्रक्रिया है जो कि यातायात की मात्रा, कार्यों की परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

****

s.k